पाठ 2: पतंग (आलोक धन्वा) - महत्वपूर्ण प्रश्नोत्तर

भाग 1: बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQs)

1. **'पतंग' कविता के कवि कौन हैं?**
    - (क) हरिवंश राय बच्चन
    - (ख) आलोक धन्वा
    - (ग) कुँवर नारायण
    - (घ) रघुवीर सहाय
    - **उत्तर:** (ख) आलोक धन्वा
2. **कवि ने सवेरे की तुलना किससे की है?**
    - (क) शेर की आँखों से
    - (ख) खरगोश की आँखों से
    - (ग) बिल्ली की आँखों से
    - (घ) सूरज की लालिमा से
    - **उत्तर:** (ख) खरगोश की आँखों जैसा लाल सवेरा
3. **'भादो' का महीना बीतने के बाद कौन सी ऋतु आती है?**
    - (क) वसंत ऋतु
    - (ख) ग्रीष्म ऋतु
    - (ग) शरद ऋतु
    - (घ) वर्षा ऋतु
    - **उत्तर:** (ग) शरद ऋतु
4. **शरद ऋतु क्या बजाते हुए आता है?**
    - (क) ढोल
    - (ख) घंटी

- (ग) शंख
- (घ) बाँसुरी
- **उत्तर:** (ख) ज़ोर-ज़ोर से घंटी बजाते हुए

5. **आकाश को 'मुलायम' बनाने का क्या अर्थ है?**
   - (क) बादलों का आना
   - (ख) बारिश होना
   - (ग) पतंग उड़ाने के लिए अनुकूल वातावरण
   - (घ) ठंड बढ़ना
   - **उत्तर:** (ग) पतंग उड़ाने के लिए अनुकूल वातावरण

6. **पतंग उड़ाते समय बच्चे छतों के किनारों पर कैसे दौड़ते हैं?**
   - (क) डरते हुए
   - (ख) बेसुध होकर
   - (ग) धीरे-धीरे
   - (घ) जूते पहनकर
   - **उत्तर:** (ख) बेसुध होकर

7. **बच्चों का शरीर किसके समान कोमल और लचीला बताया गया है?**
   - (क) रेशम
   - (ख) कपास
   - (ग) कागज़
   - (घ) फूल
   - **उत्तर:** (ख) कपास

8. **'दिशाओं को मृदंग की तरह बजाना' का क्या तात्पर्य है?**
   - (क) संगीत बजाना

- (ख) बच्चों के शोर और पदचाप से गूँज उठना
- (ग) बादलों का गरजना
- (घ) हवा का चलना
- **उत्तर:** (ख) बच्चों के शोर और पदचाप से गूँज उठना

9. **छतों के खतरनाक किनारों पर गिरने से बच्चों को कौन बचाता है?**
   - (क) उनके माता-पिता
   - (ख) उनके शरीर का रोमांचित संगीत
   - (ग) पतंग की डोर
   - (घ) कोई नहीं
   - **उत्तर:** (ख) उनके शरीर का रोमांचित संगीत
10. **पतंग उड़ाते समय बच्चे किस पर विजय प्राप्त कर लेते हैं?**
   - (क) शत्रुओं पर
   - (ख) भय पर
   - (ग) आकाश पर
   - (घ) खेल पर
   - **उत्तर:** (ख) भय पर

भाग 2: एक पंक्ति वाले प्रश्न (One Line Q&A)

1. **कवि के अनुसार दुनिया की सबसे हल्की और रंगीन चीज़ क्या है?**
   - **उत्तर:** कवि के अनुसार पतंग दुनिया की सबसे हल्की और रंगीन चीज़ है।
2. **'भादो' बीतने का क्या अर्थ है?**
   - **उत्तर:** भादो बीतने का अर्थ है मूसलाधार बारिश और अंधेरे का समाप्त होना।
3. **शरद ऋतु किस सवारी पर बैठकर आता है?**
   - **उत्तर:** शरद ऋतु अपनी नयी चमकीली साइकिल तेज़ चलाते हुए आता है।

4. **बच्चे जन्म से ही अपने साथ क्या लाते हैं?**
    - **उत्तर:** बच्चे जन्म से ही अपने साथ कपास (कोमलता और सहनशीलता) लाते हैं।
5. **पतंग की कमानी किस चीज़ की बनी होती है?**
    - **उत्तर:** पतंग की कमानी बाँस की सबसे पतली लकड़ी से बनी होती है।
6. **छतों को 'नरम' बनाना क्या दर्शाता है?**
    - **उत्तर:** यह बच्चों के उत्साह को दर्शाता है जिसके कारण उन्हें कठोर छत भी नरम महसूस होती है।
7. **शरद ऋतु बच्चों को कैसे बुलाता है?**
    - **उत्तर:** शरद ऋतु बच्चों को चमकीले इशारों से अपनी ओर बुलाता है।
8. **'किलकारियाँ' शब्द क्या प्रकट करता है?**
    - **उत्तर:** यह बच्चों की अत्यधिक खुशी और खेल के प्रति उमंग को प्रकट करता है।
9. **बच्चे पतंग के साथ कैसे उड़ रहे हैं?**
    - **उत्तर:** बच्चे अपनी कल्पनाओं और रंध्रों (रोमछिद्रों) के सहारे पतंग के साथ उड़ रहे हैं।
10. **निडर होकर सूरज के सामने आने का क्या परिणाम होता है?**
    - **उत्तर:** इससे बच्चों का आत्मविश्वास बढ़ता है और पृथ्वी उनके पास और तेज़ी से घूमती हुई आती है।

भाग 3: तीन पंक्ति वाले प्रश्न (Three Line Q&A)

1. **शरद ऋतु के आने पर प्रकृति में क्या-क्या परिवर्तन होते हैं?**
    - **उत्तर:** शरद ऋतु के आने पर आकाश साफ और धूप चमकीली हो जाती है। चारों ओर उमंग का वातावरण होता है और बारिश के बाद की नमी खत्म होकर हवा में एक ताजगी आ जाती है।
2. **कविता में 'चमकीले इशारों' का क्या अर्थ है?**

- **उत्तर:** 'चमकीले इशारे' शरद ऋतु की खिली हुई धूप और सुनहरी किरणों को कहा गया है, जो बच्चों को घर से बाहर निकलकर पतंग उड़ाने के लिए आमंत्रित करती हैं।

3. **"जन्म से ही वे अपने साथ लाते हैं कपास" - इस पंक्ति का आशय स्पष्ट करें।**
   - **उत्तर:** कपास कोमलता और लचीलेपन का प्रतीक है। बच्चों का शरीर अत्यंत कोमल और लचीला होता है, जो चोट सहने की क्षमता रखता है और गिरने पर भी उन्हें कम चोट लगती है।
4. **पतंग उड़ाते समय बच्चों के पैरों की क्या स्थिति होती है?**
   - **उत्तर:** बच्चे पतंग उड़ाते समय इतने बेसुध हो जाते हैं कि वे छतों पर इधर-उधर दौड़ते हैं। उनके पैर बेचैन रहते हैं और पूरी पृथ्वी उनके पैरों के नीचे सिमटी हुई महसूस होती है।
5. **छतों के खतरनाक किनारों पर बच्चे खुद को कैसे संभालते हैं?**
   - **उत्तर:** खतरनाक किनारों पर पहुँचने पर बच्चों के शरीर का रोमांच और उनका आंतरिक संतुलन उन्हें गिरने से बचाता है। वे केवल एक पतली डोर के सहारे अपनी धड़कनें थामे रहते हैं।
6. **'पतंगों की धड़कती ऊँचाइयाँ' बच्चों को कैसे थाम लेती हैं?**
   - **उत्तर:** जब बच्चे छतों पर दौड़ते हैं, तो उनका पूरा ध्यान आसमान में उड़ती पतंग पर होता है। पतंग की ऊँचाई और उसकी डोर उन्हें एक मानसिक सहारा देती है, जिससे वे गिरने से बच जाते हैं।
7. **गिरकर बचने के बाद बच्चों के स्वभाव में क्या बदलाव आता है?**
   - **उत्तर:** गिरने और फिर बच जाने के बाद बच्चों का डर समाप्त हो जाता है। वे पहले से भी अधिक निडर और साहसी हो जाते हैं और सुनहले सूरज के सामने नए जोश के साथ आते हैं।
8. **'दिशाओं को मृदंग की तरह बजाना' बिंब का सौंदर्य स्पष्ट कीजिए।**
   - **उत्तर:** जब बच्चे छतों पर तेज़ी से दौड़ते हैं और खुशी से शोर मचाते हैं, तो उनकी पदचाप और आवाज़ें चारों दिशाओं में संगीत की तरह गूँजती हैं। यह एक श्रव्य बिंब है जो उल्लास को प्रकट करता है।

9. **पतंग के लिए कवि ने किन-किन विशेषणों का प्रयोग किया है और क्यों?**
    - **उत्तर:** कवि ने 'सबसे हल्की', 'सबसे रंगीन' और 'बाँस की पतली कमानी' जैसे विशेषणों का प्रयोग किया है ताकि बच्चों की कोमल भावनाओं और पतंग की सुकुमारता को दर्शाया जा सके।
10. **आकाश को 'मुलायम' बनाने से कवि का क्या तात्पर्य है?**
    - **उत्तर:** इसका तात्पर्य शरद ऋतु की उस अनुकूल परिस्थिति से है जहाँ हवा शांत और स्थिर होती है, जिससे पतंग आसानी से ऊपर उठ सके और बच्चों को उड़ाने में मज़ा आए।

भाग 4: पाँच से छह पंक्ति वाले प्रश्न (Long Q&A)

1. **'पतंग' कविता में चित्रित शरद ऋतु के वैभव का विस्तार से वर्णन कीजिए।**
    - **उत्तर:** कविता में शरद ऋतु का मानवीयकरण किया गया है। शरद ऋतु 'पुलों को पार करते हुए' अपनी 'नयी चमकीली साइकिल' पर सवार होकर आता है। उसके आने से भादो का अंधेरा और बारिश समाप्त हो जाती है। सवेरा खरगोश की आँखों जैसा लाल और प्यारा होता है। वह अपनी धूप के चमकीले इशारों से बच्चों को बुलाता है। उसने आकाश को कोमल बना दिया है ताकि पतंगें ऊँचाई छू सकें। शरद ऋतु का आना केवल मौसम का बदलाव नहीं, बल्कि बच्चों के जीवन में नई ऊर्जा और उमंग का संचार है।
2. **पतंग के साथ बच्चों के शारीरिक और मानसिक जुड़ाव को स्पष्ट कीजिए।**
    - **उत्तर:** पतंग बच्चों की कल्पनाओं का रंगीन सपना है। शारीरिक रूप से, वे पतंग उड़ाते समय बेसुध होकर छतों पर दौड़ते हैं और उनका शरीर कपास की तरह लचीला हो जाता है। मानसिक रूप से, जैसे-जैसे पतंग ऊँचाई पर जाती है, बच्चों का उत्साह भी बढ़ता है। कवि कहता है कि बच्चे अपने 'रंध्रों' (रोमछिद्रों) के सहारे खुद भी पतंग के साथ उड़ रहे हैं। उनका ध्यान पूरी तरह से पतंग की डोर पर केंद्रित होता है, जिससे वे सांसारिक डर और कठोरता को भूल जाते हैं।
3. **खतरनाक परिस्थितियों का सामना करने के बाद मनुष्य और भी निडर हो जाता है। कविता के आधार पर सिद्ध करें।**

- **उत्तर:** कविता के अंत में कवि बताता है कि बच्चे जब छतों के खतरनाक किनारों से गिरते हैं और बच जाते हैं, तो उनका डर पूरी तरह खत्म हो जाता है। वे और भी आत्मविश्वास के साथ 'सुनहले सूरज' का सामना करते हैं। यह जीवन का एक बड़ा सत्य है कि चुनौतियों का सामना करने से साहस बढ़ता है। गिरने के बाद संभलना बच्चों को परिपक्व और अधिक उत्साही बनाता है, जिससे वे जीवन की बड़ी बाधाओं को भी खेल समझने लगते हैं।

4. **"पृथ्वी और भी तेज़ घूमती हुई आती है उनके बेचैन पैरों के पास" - इस पंक्ति का सौंदर्य और भाव स्पष्ट करें।**

    - **उत्तर:** इस पंक्ति में बच्चों की असीम ऊर्जा और चपलता का वर्णन है। बच्चे खेल में इतने मग्न होते हैं कि उन्हें लगता है जैसे वे नहीं दौड़ रहे, बल्कि पृथ्वी खुद उनके पैरों के पास आ रही है। उनके पैरों की 'बेचैनी' उनके उत्साह का प्रतीक है। यह एक गतिशील बिंब है जो बच्चों की सक्रियता और उनके साहस को दर्शाता है। यह भाव स्पष्ट करता है कि उत्साही व्यक्ति के लिए पूरी दुनिया छोटी पड़ जाती है और वह हर बाधा को पार करने की क्षमता रखता है।

5. **'पतंग' कविता में प्रयुक्त प्रमुख बिंबों (Imagery) पर प्रकाश डालिए।**

    - **उत्तर:** आलोक धन्वा ने इस कविता में बिंबों का बहुत सुंदर प्रयोग किया है। 'खरगोश की आँखों जैसा लाल सवेरा' एक दृश्य बिंब है जो सुंदरता को दर्शाता है। 'साइकिल की घंटी बजाना' एक श्रव्य बिंब है जो सक्रियता दिखाता है। 'आकाश को मुलायम बनाना' एक स्पर्श बिंब है जो अनुभव को प्रकट करता है। 'दिशाओं को मृदंग की तरह बजाना' भी एक प्रभावशाली श्रव्य बिंब है। ये बिंब कविता को जीवंत बनाते हैं और पाठक के मन में बच्चों के खेल और प्रकृति का एक सजीव चित्र खींच देते हैं।

6. **बच्चों के व्यक्तित्व में 'कपास' जैसी कौन सी विशेषताएँ होती हैं?**

    - **उत्तर:** कपास कोमल, हल्का, सफेद (शुद्ध) और लचीला होता है। बच्चों का स्वभाव भी कपास जैसा ही निष्पाप और कोमल होता है। उनका शरीर लचीला होता है जो गिरने-पड़ने पर भी झटके सह लेता है। जैसे कपास चोट के प्रभाव को सोख लेता है, वैसे ही बच्चे भी दुख या शारीरिक पीड़ा को भूलकर पुनः

खेलने में मग्न हो जाते हैं। उनकी सहनशीलता और किसी भी परिस्थिति में ढल जाने की क्षमता उन्हें कपास के समान बनाती है।

7. **कवि ने पतंग उड़ाने वाले बच्चों के समूह को 'झुंड' कहकर क्या संबोधित किया है?**
    - **उत्तर:** 'झुंड' शब्द बच्चों की सामूहिकता और उनके साझा उत्साह को दर्शाता है। बच्चे अकेले खेलने के बजाय समूह में खेलना पसंद करते हैं। झुंड में वे एक-दूसरे को प्रोत्साहित करते हैं, शोर मचाते हैं और सामूहिक आनंद लेते हैं। यह शब्द उनकी एकता और निर्भयता को भी प्रकट करता है। जब वे झुंड में होते हैं, तो उनका साहस दोगुना हो जाता है और वे खतरनाक ऊँचाइयों पर भी मस्ती से पतंग उड़ाते हैं।
8. **"सिर्फ उनके ही रोमांचित शरीर का संगीत" - इस पंक्ति का जीवन के लय से क्या संबंध है?**
    - **उत्तर:** जब मनुष्य किसी कार्य में पूरी तन्मयता से डूब जाता है, तो उसके भीतर एक लय पैदा होती है। बच्चों के संदर्भ में, पतंग उड़ाते समय उनका शरीर एक विशेष ताल और गति में होता है। यह आंतरिक उत्साह और 'रोमांच' ही उन्हें बाहरी खतरों से बेखबर रखता है और उन्हें गिरने से बचाता है। जीवन में भी जब हम अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित होते हैं, तो हमारा आंतरिक साहस हमें विपरीत परिस्थितियों में संभलने की शक्ति देता है।
9. **आलोक धन्वा ने बच्चों के संसार को 'तितलियों की नाजुक दुनिया' क्यों कहा है?**
    - **उत्तर:** पतंगें रंग-बिरंगी होती हैं और आकाश में उड़ती हुई वे तितलियों जैसी लगती हैं। बच्चों का मन और उनका संसार भी तितलियों की तरह ही सुंदर, चंचल और नाजुक होता है। उनमें किसी प्रकार का छल-कपट नहीं होता। जैसे तितलियाँ फूलों पर मंडराती हैं, वैसे ही बच्चे अपनी इच्छाओं और सपनों के इर्द-गिर्द घूमते रहते हैं। यह 'नाजुकता' उनकी कोमल भावनाओं और मासूमियत का प्रतीक है।
10. **कविता के माध्यम से कवि ने बाल-सुलभ इच्छाओं और उमंगों का चित्रण किस प्रकार किया है?**
    - **उत्तर:** कवि ने बच्चों को प्रकृति के सबसे सुंदर रूप 'शरद' के साथ जोड़ा है। उनकी इच्छाएँ आकाश की ऊँचाइयों को छूना चाहती हैं (पतंग के माध्यम से)। उनकी उमंग इतनी अधिक है कि वे कठोर छतों को भी नरम बना देते हैं और

खतरनाक कोनों से भी नहीं डरते। वे अपनी धुन के पक्के हैं और गिरने के बाद भी हार नहीं मानते। कवि ने बच्चों की निर्भयता, चपलता, कोमलता और उनके सपनों को पतंग के माध्यम से एक वैश्विक पहचान दी है।